



पृष्ठ 2
दीक्षांत
समारोह 2010



पृष्ठ 3
भारतीय रेल
या खेल



पृष्ठ 5
DRDO रोबोटिक्स
प्रतियोगिता



पृष्ठ 7
Campus मे
खाना-खजाना



विगत कुछ वर्षों में IITs को लेकर इतनी बहसें और विवाद हो चुके हैं कि ऐसा लगता है मानव संसाधन विकास मंत्रालय (HRD Ministry) का पूरा ध्यान केवल इसके विकास में ही है। भारत जैसे देश जहाँ अभी भी सभी के लिए प्राई मरी स्तर की शिक्षा का भी समुचित प्रबंध नहीं है, वहाँ एक विशेष संस्थान समूह पर मंत्रालय द्वारा इतना ध्यान देना इसके औचित्य पर सवाल खड़ा करता है। आरक्षण तथा नई IITs के मुद्दों पर विवाद के बाद अब वर्तमान में IITs और मानव संसाधन विकास मंत्रालय IIT-JEE संबंधी सुधार को लेकर काफी चर्चा में हैं।

IIT-JEE में सुधार की यह बहस कोई नई नहीं है। पिछले लगभग 45 वर्षों के इतिहास में IIT-JEE में कई परिवर्तन हुए हैं। प्रारंभ में PCM के साथ अंग्रेजी का एक अनिवार्य पेपर भी होता था। 2000 से प्रारंभिक (screening) परीक्षा का आयोजन शुरू हुआ ताकि मुख्य परीक्षा पर दबाव कम हो सके।

इधर काफी दिनों से इस विषय पर बहस हो रही है कि किस प्रकार कोचिंग की परंपरा को तोड़ा जाए। 2005 में Joint Admission Board द्वारा JEE की विवेचना हेतु एक कमिटी गठित की गयी थी। इस कमिटी ने पाया कि बारहवीं कक्षा, JEE तथा IIT में छात्रों के प्रदर्शन में समानता है। साथ ही कमिटी ने यह भी पाया कि प्रारंभिक (screening) तथा मुख्य परीक्षा (mains) में छात्रों का प्रदर्शन लगभग एक सा ही रहता है। अतः कमिटी ने बारहवीं कक्षा में एक न्युनतम अंक प्राप्त छात्रों को ही IITs में एडमिशन देने की सिफारिश की। कमिटी ने सिफारिश की थी कि JEE में केवल उन्हीं छात्रों को बैठने दिया जाए जो कक्षा 10 और 12 में टॉप 2% में हों। ऐसा माना गया कि यह कोचिंग संस्थानों के विस्तार पर रोक लगायेगा तथा कोचिंग संस्थानों को बोर्ड परीक्षाओं की तरफ ज्यादा ध्यान देंगे। किंतु HRD Ministry ने इस सिफारिश को नहीं माना तथा JEE में बैठने हेतु कक्षा 12 में 60% की न्युनतम सीमा तय की गयी। 2006 से यह तय किया गया कि एक छात्र केवल दो बार JEE में बैठ सकता है तथा एक बार अगर किसी ने JEE संबंधित संस्थान में प्रवेश ले लिया तो वह दोबारा JEE नहीं दे सकता। साथ ही 2000 से 2005 के बीच हुई प्रारंभिक परीक्षा को रद्द कर केवल एक ही परीक्षा का प्रावधान किया गया।

2008 में IIT मद्रास के निदेशक एवं डीन ने IIT-JEE में मूलभूत परिवर्तन का आह्वान किया। उनका मानना था कि कोचिंग संस्थानों की वजह से IIT में रॉ इन्टेलिजेंस नहीं पहुँच रहा है। IIT मद्रास के डीन ऑफ स्टुडेंट्स अफेयर्स प्रोफेसर इडिचंडी का कहना था कि मैं लड़कियों की कम सफलता का कारण कोचिंग संस्थान है क्योंकि भारतीय अभिभावक लड़कियों को कोचिंग के लिए नहीं भेजते। इन सब तथ्यों को देखते हुए मानव संसाधन विकास मंत्रालय (HRD Ministry) ने 8 मार्च 2010 को IIT खड़गपुर के निदेशक प्रोफेसर दामोदर आचार्य की अध्यक्षता में एक कमिटी गठित की जिसमें IIT मद्रास, बाँम्बे एवं रूड़की के निदेशक भी शामिल थे। इस कमिटी का उद्देश्य IIT-JEE, AIEEE और State JEEs को हटाकर केवल एक प्रवेश परीक्षा के प्रस्ताव और कक्षा 12 में छात्र के दामोदर आचार्य कमिटी के प्रस्ताव :

प्रदर्शन को प्रवेश में कितना महत्व दिया जाए, इन विषयों पर विचार करना था साथ ही यह कमिटी GRE/SAT की तरह NAT (National Aptitude Test) के प्रस्ताव पर भी विचार कर रही है।

हाल ही में प्रोफेसर आचार्य कमिटी ने एक प्रस्ताव प्रस्तुत किया है जिसपर बहस अभी भी जारी है। प्रस्ताव के मुख्य बिंदु बॉक्स में देखें। हालाँकि ये प्रस्ताव सभी संबंधित पक्षों से विचार विमर्श के पश्चात प्रस्तुत किए गये थे किंतु IITs के कई प्रोफेसरों ने इसे अव्यावहारिक कहा है। IIT-JEE में सुधार के लिए अपने प्रयासों हेतु प्रसिद्ध IIT खड़गपुर के प्रोफेसर डॉ राजीव कुमार ने इस प्रस्ताव के कई बिंदुओं पर आपत्ति जतायी है तथा उनके अनुसार ये प्रस्ताव अपने उद्देश्यों में कभी सफल नहीं होंगे। डॉ कुमार ने 2 जुलाई 2010

को IIT खड़गपुर की एक विशेष सीनेट मीटिंग में एक दूसरा प्रस्ताव प्रस्तुत किया। इन सभी प्रस्तावों के मुख्य बिंदु बॉक्स में दिए गये हैं।

IIT-JEE में सुधार के मुख्य उद्देश्य कोचिंग की परंपरा को खत्म करना, बोर्ड परीक्षाओं की तरफ छात्रों का ध्यान बढ़ाना, विद्यालय में छात्रों के प्रदर्शन को अच्छा करना, JEE में लड़कियों की सफलता को बढ़ाना आदि हैं। इसके साथ ही विभिन्न इंजीनियरिंग परीक्षाओं की जगह केवल एक प्रवेश परीक्षा का आयोजन भी एक महत्वपूर्ण पहलू है। हालाँकि IIT-JEE में सुधार की इस पहल का सभी ने स्वागत किया है किंतु किसी भी प्रस्ताव पर पूर्ण सहमति बन पाना मुश्किल लगता है। वास्तविकता में इन्हें लागू कर पाना काफी पेचीदा काम है। वर्तमान में प्रस्तुत लगभग सभी प्रस्तावों में व्यावहारिक कमियाँ हैं और इसी कारण इस पर आम सहमति बन पाना काफी मुश्किल कार्य दिख रहा है। साथ ही किसी भी नये प्रस्ताव में ग्रामीण क्षेत्र से आने वाले छात्रों की परिस्थितियों का भी ध्यान रखना पड़ेगा। इस कारण कई संगठन इन प्रस्तावों का विरोध कर रहे हैं। इसके साथ ही एक समस्या यह है कि कहीं इतने सारे परिवर्तनों के बीच JEE की शुचिता पर कोई असर ना पड़ जाए और IITs में पहुँचने वाले छात्रों की योग्यता पर प्रश्नचिह्न ना खड़ा हो जाए। इसी कारण IIT एल्युमनी का एक बड़ा समूह JEE में परिवर्तन के विरोध में मुहिम चलाए हुए है।

इन सब तथ्यों को देखते हुए अगर प्रस्तुत प्रस्तावों पर गौर करें तो वे व्यावहारिकता से काफी दूर नज़र आयेगें। इन्हें लागू करने से पहले एक व्यापक विचार विमर्श एवं कई मूलभूत परिवर्तनों की आवश्यकता है।



प्रस्ताव	विचाराधीन मुद्दे	प्रस्ताव	विचाराधीन मुद्दे
सभी राज्यों में कक्षा 11-12 में विज्ञान विषयों का समान पाठ्यक्रम	श्री कपिल सिब्बल ने इस विषय पर से Council of Boards of School Education (COBSE) और CAB (state Education ministers) विचार विमर्श शुरू कर दिया है	मेरिट लिस्ट कक्षा 12 के बोर्ड में प्राप्त अंको और NAT (National Aptitude Test) में प्रदर्शन दोनों के आधार पर तैयार की जाएगी	कक्षा 12 के बोर्ड में हर राज्य में प्राप्त अंको में काफी अंतर होता है। इसके लिए हमें सामान्यीकरण (normalization) की प्रक्रिया अपनानी पड़ेगी किंतु इसके पहले BITS Pilani, IIT-GATE, UPSC-Civil Services न इसे अपनाया और बाद में छोड़ दिया क्योंकि normalization प्रभावी तरीके से नहीं किया जा सकता।
मेरिट लिस्ट में 70% भार (weightage) 12th के अंकों को एवं 30% भार (weightage) NAT के स्कोर को दिया जाएगा।	कुछ राज्यों के बोर्ड छात्रों को कम अंक देन हेतु प्रसिद्ध हैं। अतः इस विषय पर और विचार एवं बहस की आवश्यकता है।	मेरिट लिस्ट के लिए CWP (Common Weighted Performance) index बनाया जाएगा जिसके आधार पर IITs को छोड़कर हर अन्य इंजीनियरिंग संस्थान में प्रवेश होगा।	कमिटी के प्रस्ताव में कक्षा 12 के अंको को normalize करने के किसी तरीके का वर्णन नहीं है। अतः उसके बिना CWP नहीं बनाया जा सकता। शेष पृष्ठ-3 पर

•हॉल आवंटन : अन्तिम तस्वीर

अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षण पिछले वर्ष के 18 प्रतिशत से बढ़कर इस वर्ष अपने निर्धारित 27 प्रतिशत तक पहुँच चुका है। इससे IIT खड़गपुर में इस बार 1340 नए अंडरग्रेड छात्रों ने प्रवेश प्राप्त किया। इन छात्रों को MMM एवं विभिन्न सीनीयर हॉलों में भेजा गया। गौरतलब है कि इस बार भी LLR, MS एवं HJB में प्रथम वर्षीय छात्रों को नहीं रखा गया। छात्राओं की संख्या ज़्यादा होने से उन्हें SN और MT हॉलों में विभाजित किया गया।

हॉल	प्रथम वर्षीय छात्र संख्या
MMM	473
RK	189
RP	149
नेहरू	125
आज़ाद	118
पटेल	100
SN	82
MT	60

इसी प्रकार द्वितीय वर्ष से MMM के 424 छात्रों को विभिन्न सीनीयर हॉलों में भेजा गया। सर्वाधिक 140 छात्र LLR हॉल में गए। इसके अलावा 49

आई. आई. टी. खड़गपुर का 56वां वार्षिक दीक्षांत समारोह 17 जुलाई को आयोजित किया गया। बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष श्री बी. मुथुरमन ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। समारोह के मुख्य अतिथि माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री श्री कपिल सिब्बल थे। उन्होंने हार्वर्ड यूनिवर्सिटी से वकालत की है। भारतीय प्रशासनिक सेवा की नौकरी को ठुकराकर उन्होंने वकालत को अपनाया। वे वर्तमान में मानव संसाधन विकास को अपनी सेवार्य दे रहे हैं। ऐसे विख्यात व्यक्तित्व की उपस्थिति अपना कैरियर आरंभ करने जा रहे युवा ग्रेजुएट्स के लिए प्रेरणादायक थी।

संस्थान के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स ने इस बार का सर्वोच्च गौरव डॉक्टर ऑफ साइन्स डॉ. श्रीकुमार बनर्जी, प्रो. के. एल. चोपड़ा, पं. हरीप्रसाद चौरसिया, प्रो. गोवर्धन मेहता और श्री शिव नदार को प्रदान किया गया। डॉ. बनर्जी को यह सम्मान पदार्थ के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए दिया गया। प्रो. चोपड़ा को उच्च तापमान सुपरकंडक्टर्स के क्षेत्र में, पं. चौरसिया को भारतीय शास्त्रीय संगीत के क्षेत्र में, प्रो. मेहता को सिंथेटिक ऑर्गेनिक केमिस्ट्री में एवं श्री नदार को सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सराहनीय कार्यों के लिए यह सम्मान दिया गया।

इस बार का उत्कृष्ट एलमनस पुरस्कार डी. वी. सी. के अध्यक्ष श्री सुब्रत बिस्वास, विज्ञान स्टूडियो टीम टेस्ट बिज़नेस के महाप्रबंधक श्री अमित चटर्जी, तेजपुर विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर प्रो. मिहिर कांती चौधरी, स्कूल ऑफ मेडिकल साइंस एवं टेक्नोलॉजी आई. आई. टी. खड़गपुर के प्रोफेसर प्रो. सुजॉए के. गूहा, SIGMA7 डिज़ाइन ग्रुप न्यू यॉर्क के अध्यक्ष श्री रणवीर सिंह गुप्ता, UCJ आर्किटेक्चर एवं पर्यावरण के मुख्य पार्टनर श्री उत्तम सी. जैन, रमन अनुसंधान संस्थान के प्रोफेसर प्रो. नरेन्द्र कुमार, एस्सार स्टील लिमिटेड के मुख्य प्रबंधक अधिकारी श्री मलय मुखर्जी, L&T लिमिटेड के प्रेसिडेंट श्री आर. एन. मुखिया,

सत्र 2009-10 से आई.आई.टी. खड़गपुर प्रशासन ने EAA (एक्सट्रा एकेडमिक एक्टीविटी) से क्रेडिट वापस ले

लिया था जिसके कारण छात्रों के CGPA पर EAA के ग्रेड का कोई फर्क नहीं पड़ा। इस फैसले का नतीजा यह हुआ कि छात्र EAA की कक्षा में अनुपस्थित पाए जाने लगे। परिणामस्वरूप इस वर्ष कई छात्र EAA में फेल हो गए।

पिछले वर्ष 398 प्रथम वर्षीय छात्रों ने NSO में दाखिला लिया था जिसमें 30 छात्र प्रथम सेमेस्टर में फेल हो गए थे। इनमें 27 छात्र ऐथलेटिक्स के थे। दूसरे

छात्र MS एवं 71 छात्र HJB हॉल में गए। पटेल, आज़ाद और नेहरू में भी MMM से कुछ छात्रों को भेजा गया।

हॉल	कुल द्वितीय वर्षीय छात्र	MMM से आए छात्र
RK	164	-
RP	125	10
नेहरू	137	47
आज़ाद	122	56
पटेल	96	31
LLR	139	139
MS	49	49
HJB	80	71

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के छात्रों को भी सीनीयर हॉलों में भेजने की प्रथा फिर से शुरू की गई। LLR हॉल में GATE के जरिए 64 छात्र प्रवेश किए। वहीं RP हॉल JAM से प्रवेश प्राप्त किए 140 छात्रों को आवंटित हुआ। इस प्रकार कैम्पस में आवास पर बढ़ते बोझ को व्यवस्थित करने की गुत्थी हॉल मैनेजमेंट कमिटी (HMC) ने सुलझाई। आशा है कि लाल बहादुर शास्त्री सहित तीन नए हॉलों के निर्माण से आवास समस्या पर विराम लग सकेगा।

ISRO के अध्यक्ष डॉ. के. राधाकृष्णन, IEM विभाग के सेवानिवृत्त तथा वर्तमान में VGSOM के अकादमिक सलाहकार प्रो. कैलाश सी. साहू एवं जेड. एस. एसोशिएट्स USA के सह-अध्यक्ष तथा सह-संस्थापक डॉ. प्रभाकांत सिन्हा को प्रदान किया गया।

इस अवसर पर कुल 1671 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की गई। सभा को सम्बोधित करते हुए श्री सिब्बल ने वर्तमान प्रवेश परीक्षा प्रणाली में सुधार की कड़ी आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा छात्रों पर से इसका दबाव कम करने के लिए साथ ही कोचिंग संस्थानों पर निर्भरता समाप्त करने के लिए अतिआवश्यक कदम उठाए जायेंगे। आई. आई. टी. खड़गपुर के निदेशक डॉ. दामोदर आचार्य की अध्यक्षता में गठित पैनेल की रिपोर्ट आने पर अतिशीघ्र उसपर अमल किया जायेगा।

समारोह के दौरान अकादमिक एवं ऑलराउण्ड परफॉर्मेंस के लिए छात्रों को संस्थान द्वारा सम्मानित किया गया। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं इलेक्ट्रिकल कम्युनिकेशन विभाग के श्री अयान सेनगुप्ता स्नातक डिग्री में सर्वश्रेष्ठ अकादमिक प्रदर्शन के लिए प्रेसिडेंट ऑफ इंडिया गोल्ड मेडल दिया गया। आर्किटेक्चर एवं रीजनल प्लानिंग विभाग के श्री वी. गोपीकृष्णन को ऑलराउण्ड परफॉर्मेंस के लिए डॉ. बिधानचंद्र रॉय मेमोरियल गोल्ड मेडल दिया गया। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं इलेक्ट्रिकल कम्युनिकेशन विभाग के ही श्री मृगांक शरद को द प्राइम मिनिस्टर ऑफ इंडिया गोल्ड मेडल, गणित विभाग की श्रीमती निलतपला घोशाल को प्रो. जगदीश चंद्र बोस मेमोरियल गोल्ड मेडल व इलेक्ट्रॉनिक्स एवं इलेक्ट्रिकल कम्युनिकेशन विभाग के अनिर्बन भट्टाचार्या को द डायरेक्टर्स गोल्ड मेडल प्रदान किया गया।

फिज़िक्स एण्ड मीटियोरोलॉजी विभाग के श्री शौविक चटर्जी को डुअल डिग्री एवं इंटीग्रेटेड एम. एस. सी. में ऑलराउण्ड परफॉर्मेंस के लिए ज्ञान चंद्र घोष मेमोरियल गोल्ड मेडल प्रदान किया गया।

EAA के फक्के, न इधर के न उधर के

सेमेस्टर में 9 छात्र असफल हुए जो सभी ऐथलेटिक्स के थे। वहीं NCC में एयर तथा आर्मी में कुल मिलाकर 384 छात्र थे

जिनमें 87 छात्र आर्मी एवं 34 छात्र एयर में पिछड़ गए। योगा में 86 विद्यार्थी चयनित किए गए थे जिनमें 17 प्रथम सेमेस्टर तथा 5 द्वितीय में फेल हुए।

गौरतलब है कि फेल हुए छात्रों को डिग्री लेने से पहले इस विषय को उत्तीर्ण करना तो होगा ही साथ ही साथ अनुत्तीर्ण छात्रों को अगले वर्ष MCM छात्रवृत्ति से भी हाथ धोना पड़ सकता है।

Enjoy the specific taste of Indian, South Indian, Chinese, Tandoor dishes at the food café

Break n' Bite

a food elen

For door step delivery:-
Call 9932486646

Tejvinder Singh Dhami (Rinku)
At – Hotel Park Arcade
Near – IIT Kharagpur

इन सब तथ्यों को देखते हुए अगर प्रस्तुत प्रस्तावों पर गौर करें तो वे व्यावहारिकता से काफी दूर नज़र आयेगें। इन्हें लागू करने से पहल एक व्यापक विचार विमर्श एवं कई मूलभूत परिवर्तनों की आवश्यकता है।

कैंपस के सभी नये निवासियों का हम आवाज़ टीम

की तरफ से स्वागत करते हैं। जो पाठक नये हैं हम उनको बता दें कि आवाज़ IIT खड़गपुर की मासिक पत्रिका है और पिछले कुछ वर्षों से हम कैंपस से जुड़ी हर छोटी बड़ी हलचल की खबर छात्रों, शिक्षकों, एल्युमनाई अर्थात् KGP से जुड़े हर शख्स तक पहुँचाते आये हैं। IIT खड़गपुर एवं देश विदेश के मुद्दों पर हमारे छात्र समूह की निष्पक्ष राय प्रस्तुत करना और साहित्यिक एवं व्यंग्यात्मक लेखों से आपका मनोरंजन करना हमारा मूल उद्देश्य है। छात्रों की समस्याओं को प्रबंधन तक पहुँचाना एवं उनके निर्णयों से छात्रों को अवगत कराना भी हमारी पहल का हिस्सा है।

नये सत्र की शुरुआत में जहाँ एक उत्साह रहता है वहीं पुराने साल की खट्टी मीठी यादें। पिछला साल IIT खड़गपुर के लिए शांतिपूर्ण ही रहा। देश विदेश की खबरों पर गौर करें तो ईरान परमाणु समस्या और नक्सलियों के खिलाफ चल रहा सशस्त्र अभियान काफी सुर्खियों में रहे। खड़गपुर के आसपास हुई ट्रेन दुर्घटनाओं ने भी सभी को चिंता में डाल रखा है। कुछ लोगों का मानना है कि बढ़ती नक्सली घटनाओं की वजह से भी कई छात्र



खड़गपुर नहीं आना चाहते हैं।

कैंपस में हुए परिवर्तनों पर गौर करें तो नये गेस्ट हाउस का खुलना, आजाद हॉल में चौथी मंजिल का निर्माण कार्य पूरा तथा एक नये ब्लॉक का निर्माण कार्य चालू होना महत्वपूर्ण रहा। इनके साथ पटेल हॉल के पीछे एक नये हॉस्टल और विक्रमशिला में एक नये लेबॉरेटरी कॉम्प्लेक्स का निर्माण कार्य भी चालू है। इस बार प्रस्तावित 27% ओबीसी आरक्षण भी पूरा हो गया और इसकी वजह से कैंपस में भीड़ काफी बढ़ गयी है। छात्रों को हर जगह लंबी लाईनों का सामना करना पड़ रहा है। उम्मीद है प्रशासन इन समस्याओं के लिए आवश्यक कदम जल्दी ही उठाएगा।

इस बार के अंक में हमने कैंपस से जुड़े विभिन्न मुद्दों को सम्मिलित करने का प्रयास किया है। साथ ही हम उम्मीद करते हैं कि आपको हमारे भाट, कार्टून कोना और फच्चा विशेषांक पसंद आएंगे।

अन्त में कैंपस की नयी जनता को आवाज़ टीम की तरफ से बधाईयाँ, हम आशा करते हैं कि आप यहाँ अपने जीवन का सबसे अच्छा समय गुजारेंगे और नई सफलता प्राप्त करेंगे।

सीटों की संख्या में वृद्धि – समस्या का समाधान नहीं

देश में आई.आई.टी की तकनीकी शिक्षा का स्तर देश के किसी भी अन्य संस्थान से उपर है, इसमें कोई दो मत नहीं है और सरकार द्वारा यह सोचना कि आई.आई.टी से निकलने वाले इंजीनियरों की संख्या में वृद्धि करने से देश के विकास में सहायता मिलेगी को तर्कसंगत ही कहा जाएगा। किंतु प्रश्न यह है कि क्या हर

साल केवल सीट बढ़ा देने से देश में कुशल श्रमबल(Skilled Work-Force) की समस्या का समाधान हो जाएगा। हर साल सीटों की संख्या वृद्धि के कारण पिछले 5 सालों में सभी आई.आई.टी में सीटों की संख्या लगभग दोगुनी हो गई है जैसा कि टेबल में प्रदर्शित है-

संस्थान	स्थापना वर्ष			सीटों की संख्या		
		2003	2007	2008	2009	2010
IIT खड़गपुर	1951	659	874	988	1138	1341
IIT मुम्बई	1958	600	574	648	746	880
IIT मद्रास	1959	554	540	612	713	838
IIT कानपुर	1959	456	541	608	702	827
IIT दिल्ली	1963	552	553	626	721	851
IIT गुवाहाटी	1994	350	365	435	498	588
IIT रूड़की	2001	546	746	884	1013	1155
IIT रोपड़	2001			120	120	120
IIT भुवनेश्वर	2008			120	120	120
IIT हैदराबाद	2008			120	120	120
IIT गाँधीनगर	2008			120	120	120
IIT पटना	2008			120	120	120
IIT राजस्थान	2008			120	120	120
IIT इंदौर	2009				120	120
IIT मण्डी	2009				120	120
कुल संख्या		3571	4193	5521	6491	7440

लेकिन केवल सीटों की संख्या में वृद्धि ही कुशल श्रमबल(Work-Force) की समस्या का हल नहीं है। अगर पुरे देश में हर साल निकालने वाले इंजीनियरों की संख्या पर गौर करें तो हम कई विकसित देशों से आगे हैं किंतु जब बात गुणवत्ता की आती है तो विकसित देशों के सामने हम कहीं नहीं ठहरते। हमारी शिक्षा प्रणाली में गुणवत्ता की कमी ही हमारी उच्च शिक्षा प्रणाली की सबसे बड़ी समस्या है।

शिक्षा की गुणवत्ता के स्तर को शिक्षकों की उपलब्धता, मूलभूत व्यवस्थाएँ, प्लेस्मेन्ट इत्यादि की स्थिति से पता लगाया जाता है। जहाँ तक शिक्षकों की संख्या की बात की जाए तो इसकी कमी उच्च शिक्षा के हर संस्थान में प्रतीत हो रही है। आई.आई.टी में ही छात्र व शिक्षकों का अनुपात 7:1 तक जा पहुँचा है जहाँ कि अच्छे अंतराष्ट्रीय तकनीकी संस्थानों जैसे UC Berkeley, MIT इत्यादि में यह अनुपात 3:1 के करीब है। पुराने आई.आई.टी में शिक्षकों के खाली पदों की संख्या 1065 तक जा पहुँची है तथा साथ ही नए आई.आई.टी भी शिक्षकों की भारी कमी झेल रहे हैं। आई.आई.टी खड़गपुर में 299 शिक्षकों की कमी है जो सभी आई.आई.टी संस्थानों में सबसे ज्यादा है। आई.आई.टी बम्बई में 222, रूड़की में 194, मद्रास में 138, दिल्ली में 78, कानपुर में 69 व गुवाहाटी में 65 शिक्षकों के पद खाली है। यह इन उत्कृष्ट संस्थानों के शिक्षा स्तर को बुरी

तरह से प्रभावित कर रहा है।

मूलभूत सुविधाओं की बात करें तो हम पाएंगे कि हर आई.आई.टी में प्रत्येक साल सीटों में वृद्धि के साथ लैब, छात्रावास सुविधाएँ तथा रोजमर्रा की जरूरतों के लिए एक बड़ी रकम की आवश्यकता है। इतनी तीव्र गति से हो रहे आई.आई.टी के विस्तार को सही तरीके से जारी रखना कोई आसान कार्य नहीं है। पुराने आई.आई.टी संस्थानों में छात्रों की बढ़ी हुई संख्या के लिए लैब तथा छात्रावास जैसी सुविधाओं की पुरी व्यवस्था नहीं हो पायी है। नए आई.आई.टी संस्थानों में अभी भी लैब तथा छात्रावास जैसी सुविधाओं की समुचित व्यवस्था नहीं हो पायी है।

आवाज़ टीम

संपादकः

अमन कुमार, आशुतोष कुमार मिश्रा, सिद्धार्थ दोशी

सह संपादकः

मधुसूदन, अनुराग कटियार, कुणाल मिण्डा, निधि हरयानी, निष्ठा शर्मा, प्रतिक भार्गव, सीमान्त उज्जैन, स्वाति दास, सुप्रिया शरण

रिपोर्टरः

अनिमेष चौधरी, अमित कुमार डालमिया, रोहन भट्टोरे, वैभव श्रीवास्तव, सुगन्धा, सुशील राठी

पाठकों के विचार एवं सुझाव आमंत्रित हैं
editor.awaaz@gmail.com

DRDO रोबोटिक्स प्रतियोगिता में केजीपी की टीम अक्ल

DRDO द्वारा आयोजित करायी गयी स्टूडेंट रोबोटिक्स प्रतियोगिता के पहले चरण में आइ.आई.टी. खड़गपुर की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है। DRDO द्वारा पहली बार इस तरह के किसी प्रतियोगिता का आयोजन कराया गया था जिसमें विभिन्न कॉलेजों के 240 टीमों ने हिस्सा लिया। इसमें एक स्वचालित वाहन का निर्माण करना है जिसका प्रयोग आतंक निरोधी अभियान में ऐसे दुर्गम रास्तों पर किया जा सके जहाँ मानव चालित परंपरागत वाहनो का जाना सम्भव नहीं है। इस बोट से अपेक्षित है कि ये अपने सेन्सर्स की मदद से अपना रास्ता खुद ही ढूँढ लेगा एवं रास्ते में आने वाले गतिरोधों से बचकर भी निकल जायेगा। इस रोबोट की खास बात ये है कि यह सिद्धियों पर भी चढ़ सकता है।

नलीन गुप्ता (इलेक्ट्रॉनिक्स डिपार्टमेंट) के नेतृत्व में आइ.आई.टी.

आई आई टी खड़गपुर टीम ने

वैश्विक बिजनेस प्लान पुरस्कार जीता

माइक्रोमेड, आई आई टी खड़गपुर के दो छात्रों द्वारा किये गए स्टार्ट अप ने वैश्विक स्तर पर आयोजित ग्लोबल बिजनेस प्लान प्रतियोगिता में उपविजेता घोषित होने का गौरव हासिल किया। अग्रणी कंपनी DfJ और CISCO द्वारा 29 जून को आयोजित किये गये प्रतियोगिता में मेकेनिकल विभाग के प्रोफेसर सुमन चक्रवर्ती के अंतर्गत दो छात्रों ने ये उपलब्धि प्राप्त की। देबप्रिया चक्रवर्ती (माइक्रोमेड का एक संस्थापक) ने बताया इस प्रतियोगिता ने हमारे कंपनी को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाई है। माइक्रोमेड का मुख्य उद्देश्य माइक्रोफ्लायड प्रौद्योगिकि द्वारा रोगों की पहचान करना है। माइक्रोफ्लायड प्रौद्योगिकि के अंतर्गत लिक्विड, मिलिलीटर की तुलना में माइक्रोलीटर लेना होता है जो इसे सस्ती और अत्याधुनिक बनाती है। विकासशील देशों में बढ़ती हुई जनसंख्या और सस्ती चिकित्सा की बढ़ती माँग के कारण इसकी ग्रामीण क्षेत्रों में विस्तार की काफी संभावनाएँ हैं।

प्रतियोगिता की शुरुआत जून के पहले सप्ताह में आइडिया प्रस्तुती के साथ हुई। 23 जून को दुनिया के चोटी के 16 टीमों का चयन किया गया। मिशिगन विद्यापीठ की अम्बिक माइक्रो को विजयी होने का गौरव प्राप्त हुआ। DfJ और CISCO ने विजेता टीम को 250000 डॉलर की राशि निवेश करने हेतु प्रदान की। अम्बिक माइक्रो ने नेक्स्ट जेनरेशन ऊर्जा दक्ष माइक्रोकन्ट्रोलर का निर्माण किया था। DfJ ने इसके अलावा अंतिम 16 की 6 और कंपनियों को मदद देने का आश्वासन दिया है। DfJ ने अपने DfJ ग्लोबल नेटवर्क ऑफ पार्टनर फंड से पिछले 25 वर्षों से अनेक कंपनियों को मदद की है, जिनमे से टेसला मोटर्स, हॉटमेल और स्काइप प्रमुख हैं। पिछले साल अंतिम 16 में जगह बनाने वाली कंपनिया आज भी सफलतापूर्वक चल रही हैं।

खड़गपुर की टीम ने पहले चरण में जिसमें सिर्फ पेपर प्रेसेन्ट करना था एवं अपने डिजाइन की इन्नोवेशन को भी दर्शाना था पहला स्थान प्राप्त किया। इस टीम के अन्य सदस्य हैं सुभागतो दत्ता (इलेक्ट्रिकल डिपार्टमेंट), राहुल दास (मेकेनिकल डिपार्टमेंट), सरबर्था बनर्जी (इलेक्ट्रिकल डिपार्टमेंट), श्रीनिवास रेडी (इलेक्ट्रिकल डिपार्टमेंट), अनिन्दिता भट्टाचार्य (एरोस्पेस डिपार्टमेंट)। इस प्रतियोगिता के सभी 14 निर्णायक दौर में पहुंचने वाले प्रतियोगियों को DRDO की तरफ से फाइनल राउंड के लिए बोट बनाने हेतु 1 लाख रुपये मिले हैं। मेकेनिकल डिपार्टमेंट के प्रोफेसर अनिन्द्या चटर्जी को दूसरे राउंड के लिए इस टीम का मेन्टर नियुक्त किया गया है। चेन्नई में सितम्बर में होने वाले फाइनल राउंड के लिए हम इस टीम को हार्दिक शुभकामनाएँ देते हैं।

एक पहलू ऐसा भी

मेक्सिको की खाड़ी में BP oil के तेल कूँ में पिछले तीन महीने से चल रहे रिसाव को अंततः रोक लिया गया है। तेल रिसाव रोकने के लिए कई प्रयास किए गए लेकिन सारे शुरूआती प्रयास विफल हुए थे। दुर्घटना के कारणों की तकनीकी जाँच के लिए नियुक्त कमिटी ने BP oil कंपनी के गैर जिम्मेदाराना रवैये और असावधानी को इस विपत्ति का कारण माना है लेकिन कंपनी ने इसकी जिम्मेदारी लेने से इनकार कर दिया।

पीड़ितों के मुआवजे के लिए 20 बिलियन डॉलर का फंड अमेरिकी सरकार को BP ने उपलब्ध कराया है। 32 हजार लोगों को पहले चरण में राहत राशि आवंटित होने के बाद अमरीकी सरकार 17 हजार और लोगों को दावों पर विचार कर रही है। जबकि अगर हम भोपाल गैस त्रासदी के मुआवजे की बात करें तो 25 वर्षों बाद भी पीड़ितों को न्याय की तलाश है। भोपाल गैस के लिए केवल 470 मिलियन का मुआवजा ही आवंटित हुआ है जबकि इस त्रासदी ज्यादा हानि हुई थी। यह भारतीय और अमरीकी सरकार का रवैया उजागर करता है। जहाँ 25 वर्षों बाद भी भारतीय सरकार पीड़ितों को न्याय नहीं दिला पाई वहीं अमेरिकी सरकार द्वारा BP oil कंपनी के विरुद्ध उठाए गए कदम नागरिकों के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।

DC
top 5

1. Sherlock - TV series
2. Capitalism : A love story - Documentary
3. Batman : Under the Red Hood - Movie
4. 30 Rock - TV series
5. Gun Grave - Anime series



AIESEC: उपलब्धियों के पथ पर

AIESEC युवाओं द्वारा संचालित विश्व की सबसे बड़ी संस्था है, जिसमें लगभग 107 देश शामिल हैं। AIESEC आई आईटी खड़गपुर का पंजीकरण, AIESEC इंडिया के एक भाग के रूप में पिछले वर्ष जून 2009 के राष्ट्रीय सम्मेलन में हुआ। वर्ष 2010 की शुरुआत में AIESEC खड़गपुर ने 'गो ग्रीन' अभियान की शुरुआत की जिसमें चिली और मेक्सिको के 2 छात्रों ने खड़गपुर के छात्रों के दल के साथ मिलकर कैम्पस की एनर्जी ऑडिट की जो कि भारत के किसी भी कॉलेज कैम्पस में इस प्रकार का पहला प्रयास था। यही नहीं, कैम्पस में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए ऑनलाइन अर्थ वीक विचित्र और अर्थ आवर का आयोजन किया गया।

AIESEC खड़गपुर की टीम ने इस वर्ष 3 राष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग लिया जहाँ इसे AIESEC के प्रति जागरूकता व प्रभाव बढ़ाने और सर्वश्रेष्ठ वर्चुअल मीडिया विजयुलाइजेशन के लिए 3 पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। साथ ही 7 विभिन्न देशों से खड़गपुर आए इंटरन्स के साथ भी AIESEC ने सफलतापूर्वक काम किया जिन्होंने खड़गपुर व आसपास के क्षेत्रों में सामाजिक प्रभाव डालने वाले कई प्रोजेक्ट्स पर काम किया।

इस सेमेस्टर भी विज़न ग्रीन 2010 नामक इवेंट का आयोजन AIESEC द्वारा किया जा रहा है जिसके अंतर्गत ग्रीन टेक्नोलॉजी से संबंधित एक बिज़नेस कॉर्पोरेट सम्मिट का आयोजन 31 अक्टूबर को खड़गपुर में किया जाएगा।

Kamal Sports

Deals in all type of sports goods and fitness equipment

16-A, Gole Bazar, Kharagpur

Contact:- 9933521191



Sri Balaji Computers

Branded laptops & Desktops, Assembled Computers, Networking, Bar Coding Technology, Instrumentation, Automation, and Electronic Security Systems for Home & Office

Specialist in Laptop Repairing, Chip Level Repairing of all Computer Hardware's including Printers & Scanners

Managed by Factory Trained Engineer with 20 Years Experience both in India and Abroad.



Puri gate, Near IIT Main Gate, Kharagpur, West Bengal -721306 All types of Ear Phone's, MP3 Players, Laptop Spares, and Laptops Bags, Laptop cooling pad are available.

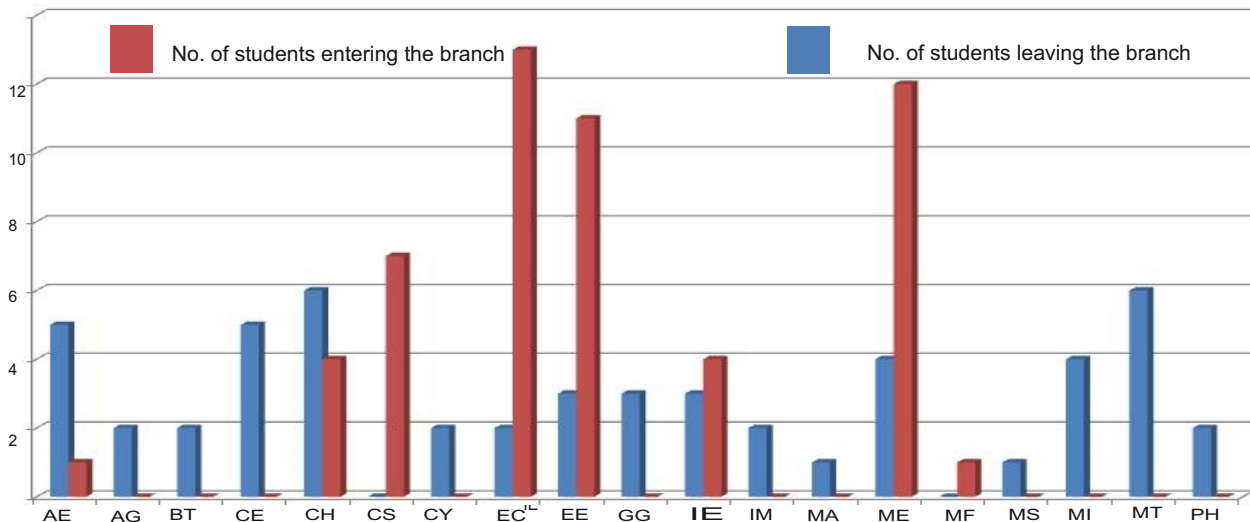
Ph: 09732961398, 07501542577
E-Mail: sribalajikgp@gmail.com

DepC फंडे

सबसे पहले तो खुशखबरी कि आपने जेईई में आने के लिए जितने पापड़ बेले हैं उतने पापड़ बेलने की जरूरत नहीं। परंतु पढ़ाई की तरफ जो रूख जेईई में आने के बाद आपका हो जाता है उससे विमुख होने में ही भलाई है। आप बाकी सारे आध्यात्मिक गतिविधि में मचा लें लेकिन अच्छी C.G प्लेसमेंट एवं आगे अच्छे कॉलेज में प्रवेश के लिए बहुत जरूरी है। 8.5 के ऊपर की C.G अच्छी मानी जाती है और कोशिश करें कि 7.5 से ऊपर हो। आपकी सहायता के लिए पिछले वर्ष के DepC के आंकड़े नीचे दर्शाए गए हैं। क्या करें वो तो आप जान ही गये हैं परंतु कैसे करें उसके फंडे कुछ इस प्रकार हैं :

1। कक्षा में जरूर उपस्थित रहे। भले ही उस समय कुछ समझ में ना आये फिर भी ना सोये और सुनने का प्रयास करें। बाद में आपको पूरा पाठ्यक्रम पता होगा जो कि बहुत लाभदायक होता है। परीक्षा के समय ग्रेड में अटेंडेंस के भी अंक होते हैं।

- 2। प्रयोगशालाओं को गम्भीरतापूर्वक लें एवं अच्छी लैब कापी बनाने की आदत डालें जो कि भविष्य में लाभदायक होता है। द्युटेरियल क्लास एवं संबंधित प्रश्न को अवश्य हल करें।
- 3। अगर पुस्तकालय में किताब ना मिले तो LAN पर से किताब की सहायता ले सकते हैं। उसके अलावा क्लास नोट्स और ज़िरोक्स का अध्ययन तो अत्यंत जरूरी हैं।
- 4। अच्छी C.G के लिए नियमित अध्ययन की आदत बनाये रखें।
- 5। जो विद्यार्थी DepC का मन बना कर यहाँ आए हैं उन्हें यह जानकर खुशी होगी की अन्य IITs के मुकाबले IIT KGP में DepC मारना काफी आसान है।
- 6। किसी को अपने कमरे में मगने में तकलीफ हो तो सेन्ट्रल लाइब्रेरी के अलावा आप F-127 में बैठ कर भी पढ़ सकते हैं। यह रूम रात भर खुला रहता है। CSE Dept. का रूम C-120 भी इसी प्रकार रात भर खुला रहता है।



Depc Cutoff

CSE B.tech:-9.31
CSE Dual:-9.22
ECE B.tech:-9.18
ECE Dual:-9.04
IE:-8.53
ME B.tech:-8.69
ME Dual:-8.78
MF:-8.67
CH B.tech:-8.8
CH Dual:-8.56
AE Dual:-8.64

करे क्या

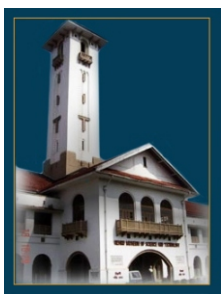
1. जल्द से जल्द ऐसे दोस्त बना लें जो कक्षा में प्रोक्सी देने के काम आएँ।
2. फ्राइड मैगी, बटर मैगी, मसाला मैगी, चीज़ मैगी, कूल मिलाकर मैगी के विभिन्न प्रकारों को रोज़ अलग अलग स्वादिष्ट व्यंजन समझ कर खाने की आदत डाल लें।
3. ऑरकुट, फेसबुक एवं g-talk इत्यादि के साथ अपने परिजनों के समान समय व्यतीत करने की आदत डाल लें।
4. बी.सी.रॉय अस्पताल आपकी सहायता के लिए सदैव तत्पर है। कक्षा या लैब ना जाने की स्थिति में प्रोफ द्वारा दिए गए सिरदर्द के लिए उसके सर्टिफिकेट से बेहतर कोई दवा बाज़ार में उपलब्ध नहीं है।
5. जन्मदिन के दिन अपने फुलपैट के अंदर एक हाफपैट पहनना ना भूलें वरना आने वाले कुछ दिनों तक आपका कम्फर्टेबल प्लेस ही आपको सबसे ज़्यादा डिसकॉमर्ट प्रदान कर सकता है।

करे क्या ना

1. किसी सीनियर के सामने मैया अथवा दीदी जैसे अपशब्दों का प्रयोग करने की गुस्ताखी ना करें।
2. साथ ही “आपकी CG क्या है” जैसे विस्फोटक वाक्य बोलने से भी बचें।
3. मेस की रोटी उसके एक्सपायरी टाइम अर्थात मेस खुलने के 2 घंटे बाद न खाएँ। (आपके दाँतों की रक्षा के लिए जनहित में जारी)
4. “किस डिपार्टमेंट का प्लेसमेंट सबसे अच्छा है” इस प्रकार की व्यर्थ बातों को सोचने या पूछने में अपना समय बर्बाद ना करें। समय के सदुपयोग के लिए “आवाज़” पढ़ें।
5. कभी भी क्लास में पहली बेंच पर ना बैठें। पूरी नींद लेकर आने पर भी अच्छी खासी संभावना है कि आप वहाँ सो जाएँ।

Insti फंडा

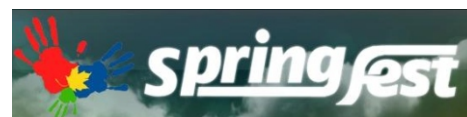
1. 2100 एकड़ में फैला हमारा campus भारत के सभी कॉलेजों में सबसे बड़ा है। हमारी लाइब्रेरी एशिया में सबसे बड़ी है।
2. ECE Dept. की लेब्स भारत में सबसे श्रेष्ठ मानी जाती हैं।
3. Agri insti का सबसे बड़ा Department है।
4. सभी IITs के मुकाबले हमारा LAN अधिक तेज है और इस पर 120TB से अधिक material है जो 24 घंटे उपलब्ध रहता है।
5. हमारी main building E के आकार में है।
6. Main building बनने से पहले नेहरू museum में कक्षाएँ ली जाती थी। नेहरू museum के पास कुछ तहखाने भी बने हुए हैं जो अंग्रेजों के जमाने के हैं। इन तहखानों में हमारे देश के कई बड़े क्रांतिकारियों को रखा जा चुका है। कुछ क्रांतिकारियों को उसी स्थान पर फाँसी भी दी जा चुकी है।
7. नेहरू museum के सामने जो विमान रखा हुआ है वह पहले एक दम दुरुस्त था तथा कई लड़ाईयों में काम में लिया जा चुका है।
8. कैम्पस में खेल कूद गतिविधियों के लिए एक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स (टाटा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स) एवं ज्ञान घोषा नाम का स्टेडियम है।



9. 2.2 के बारे में अब तक तो आप जान ही गए होंगे। यह scholars avenue, नलीनी रंजन मार्ग तथा शहीद संतोश तारकेश्वर मार्ग को मिलाकर बना हुआ है तथा सभी छात्रावासों को आपस में जोड़ता है।

Fest फंडा

1. Illu – Illu IIT Kgp में मनाया जाने वाला एक अनुपम त्योहार है। यह हर वर्ष दिवाली पर मनाया जाता है। प्रत्येक हॉल के छात्रों द्वारा बड़ी-बड़ी चटाईयाँ बनाई जाती हैं तथा उनपर दिये लगाकर मनोरम आकृतियाँ बनाई जाती हैं।
2. क्षितिज – यह IIT Kgp का Tech Fest है। हर वर्ष फरवरी में मनाया जाने वाला यह Fest एशिया के सबसे बड़े Techno Management Fest के रूप में उभर कर आया है।
3. Spring Fest – यह IIT Kgp के विद्यार्थियों का पसंदीदा Fest है। यह हर वर्ष जनवरी के अंत में मनाया जाता है और इसमें तरह तरह के सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।
4. शौर्य – विद्यार्थियों में खेल भावना को बढ़ाने के लिए यह Fest आयोजित किया जाता है। यह Fest 2 वर्ष पहले ही पहली बार आयोजित किया गया था।



इन चार मुख्य Fests के अलावा कई डिपार्टमेंट Fests भी होते हैं। OENA का समुद्रमंथन, केमिकल का Cheminsight, Meta का Composite, माइनिंग का Great Step और Indu का Optima। इन सभी Fests में दूसरी संस्थाओं से कई विद्यार्थी आते हैं।

जिमखाना फंडा

इतना तो अब तक आप जान ही चुके होंगे कि TSG (टेक्नोलॉजी स्टूडेंट जिमखाना) एक जिम से बढ़कर काफी कुछ है। सीधे शब्दों में बोले जाए तो खड़गपुर में होने वाली छात्रों द्वारा संचालित सारे गतिविधियों का केंद्र जिमखाना ही है। यहां पर भले ही कैम्पस के बाहर कुछ ना हो पर आपके मनोरंजन और सम्पूर्ण विकास का पूरा अवसर दिलाना ही जिमखाना का उद्देश्य है।



हैं। ओपन IIT फ़ेशर आदि जितनी भी प्रतियोगिताएँ होती हैं एवं सारे फ़ेस्ट जैसे कि क्षितिज स्प्रिंग फ़ेस्ट एवं शौर्य जिमखाना द्वारा ही संचालित होते हैं। जिमखाना प्रेसिडेंट जो कि प्रोफ़ेसर होते हैं सर्वोच्च पद है। उनके बाद जो सर्वोच्च पद होता है वो V.P (वाइस प्रेजिडेंट) का है। V.P के बाद आते हैं हमारे 6 जनरल सेक्रेटरी। टेक्नोलॉजी सोशल & कल्चरल और स्पोर्ट्स के दो दो जनरल सेक्रेटरी होते हैं। जनरल सेक्रेटरी के बाद सेक्रेटरी है जो कि अपने क्षेत्र से संबंधित कार्य देखते हैं। हर साल क्षितिज एवं स्प्रिंग फ़ेस्ट के लिए दो टीमों का गठन होता है जिसे कोर टीम कहते हैं। यह पूरे वर्ष काम करके फ़ेस्ट का आयोजन करते हैं। आपके रुचि के अनुसार बहुत सारी सोसाइटीज़ भी हैं।

Campus में खाना-खजाना

1. Cheddis IIT KGP के campus के बाहर एक छोटा सा ढाबा है। पिछले वर्ष से पहले तक यह 24 घंटे खुला रहता था और 1970 के युद्ध के अलावा यह कभी बन्द नहीं हुआ था। परन्तु जब से campus में 11 pm बैन लगा है यह रात में बन्द हो जाता है।
2. B C Roy अस्पताल के सामने एक छोटी चाय की दुकान है जो campus में Bhasky के नाम से जानी जाती है। पटेल आज़ाद और नेहरू के छात्रों में यह बहुत लोक प्रिय है।
3. नेहरू हॉल में जो canteen है वह Aseems के नाम से जाना जाता है।
4. Veggies campus का एक मात्र शाकाहारी restaurant है। हालांकि मज़े की बात यह है कि रात में Veggies बन्द होने के बाद उसी स्थान पर eggies खुल जाता है जो निशाचर बच्चों का एक पसंदीदा स्थल है।
5. Super duper restaurant जिमखाना के पीछे बना हुआ है। चिप्पी तालाब के किनारे बैठकर खाने का अलग ही आनन्द है।
6. Tikka और chillies एक दूजे से लगे हुए हैं और TSC के बाहर बने हुए हैं।
7. पिछले साल कैम्पस में रानीलक्ष्मीबाई हॉल के पास ccd (cafe coffee day) खुला है। अच्छी बात यह है की यहाँ चीज़ें subsidized दामों पर मिलती हैं।
8. ccd के पीछे ही Heritage नामक अच्छा रेस्तराँ और इस के पास ही हल्दीराम का आउटलेट है।
9. इन सबके अलावा campus में nescafe का जाल आप देख ही चुके होंगे। प्रत्येक हॉल में आपको nescafe तो मिल ही जाएगा। Insti के अंदर भी 4 nescafe हैं, जो कि आपको CSE, Metallurgical Dept., Library तथा VGSOM के पास मिल जाएंगे।



VICE PRESIDENT

सेलेस्टीन जोसफ

GENERAL SECRETARY

G. SEC (Social and cultural)

हिमांशु सिंघल, राघव बशंभू

G. SEC (Technology)

अरवा अनमोल मनोहर, तरुण राठी

G. SEC (Sports and Games)

अभिषेक राज, देवेश कुमार ध्रुव

SECRETARY

TECHNOLOGY(APPLICATION)

अमृतांशु आनंद

TECHNOLOGY(KNOWLEDGE)

बंदा भरत नागा सुमंथ

TECHNOLOGY(INNOVATION)

प्रणीत काया

AQUATICS

सुमीत दुबे

ATHLETICS

दीप्ती पुजारी

BADMINTON

नम्रता नायक

BASKETBALL

रचना राणा

CRICKET

आशुतोष कुमार

FOOTBALL

देव किशन

HOCKEY

सलिल कंसल

INDOOR GAMES

आशीष कोठारी

TENNIS

नवीन कुमार

VOLLEYBALL

पवन कुमार

WEIGHTLIFTING

अजय कुमार यादव

ENTERTAINMENT

आस्था गुप्ता

DRAMATICS

तेजल

JOURNAL

राधा किशोर

LITERARY

अंशुल माटिया

PHOTOGRAPHY

हर्षा

FILM

शिल्पा गौतम

FINE ARTS

निवेश झा

नीचे KGP में प्रयोग होने वाले कुछ शब्द दिए गए हैं। वैसे धीरे-धीरे आप

इनसे परिचित हो जाओगे। वैसे KGP का मूल मंत्र है 'लोड मत ले पीस मार'।

पंजी :- जिसका cg 5 और 6 के बीच हो।

नहली :- जिसका cg 9 और 10 के बीच हो।

बारुकी :- बारकेटबॉल

बत्ती :- इलेक्ट्रीकल विभाग

घासी :- एग्जीक्यूटिव विभाग

भाट :- बेकार में बातें करना

फच्चा/फच्ची :- प्रथम वर्षीय छात्र/छात्राएँ

हप्पा :- हॉलप्रमुख

हथौड़ा :- मैकेनिकल विभाग

हुहा :- कुछ काफी अच्छा

मखाना :- किसी काम को खराब कर देना

मटका/मटकी :- एम. टेक. के छात्र/छात्राएँ

मगगू :- जिसे पढ़ाई के अलावा कुछ नहीं आता

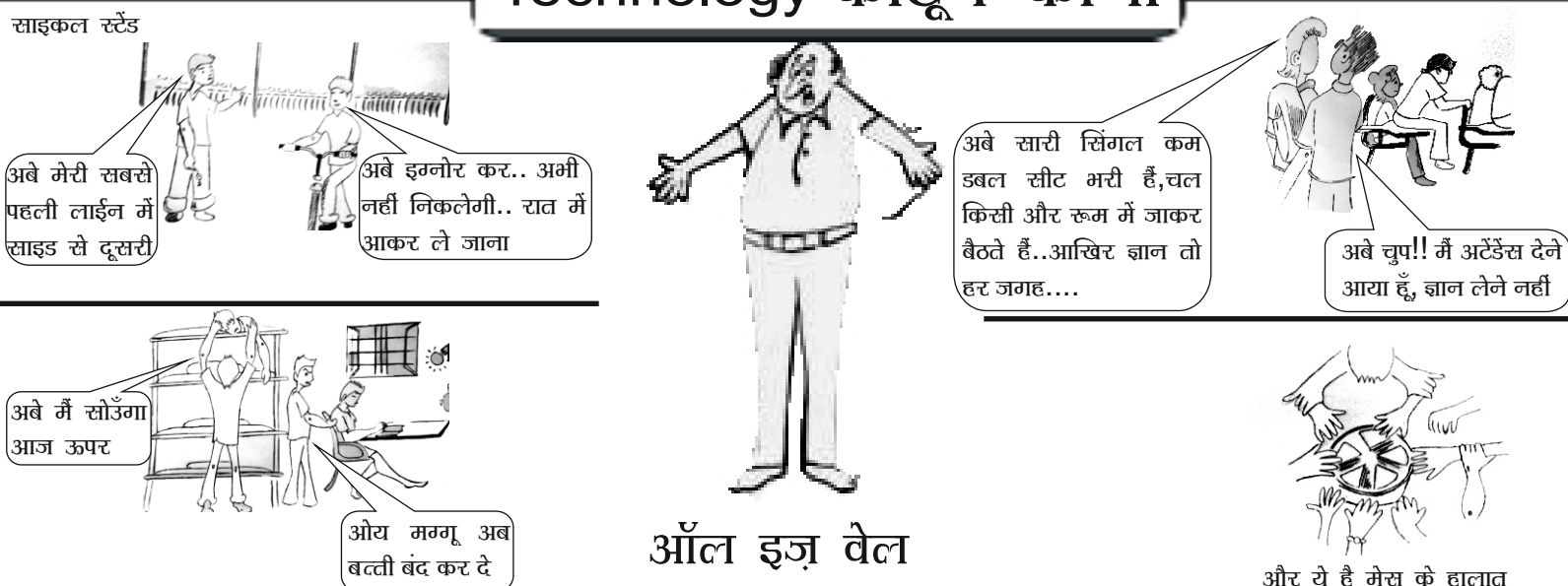
PSI :- पहचानने से इंकार

चमक गया :- दिमाग में घुस गया

टेम्पो :- उत्साह

Kgp Lingo's

Technology कार्टून कोना



गंगा की सफाई का बीड़ा आई आई टी ने उठाया:

पर्यावरण मंत्री और सभी आई आई टी के निदेशकों के बीच हुई बैठक में आई आई टी ने गंगा नदी की सफाई का बीड़ा उठाया। इस परियोजना का बजट 40 करोड़ रूपए है व 12 से 18 महीने में इसके पूरे होने की उम्मीद है। यह परियोजना आई आई टी कानपुर के नेतृत्व में आगे बढ़ेगी। इस परियोजना के तहत वैज्ञानिक जल संसाधन, जियोमॉरफोलोजी आदि पर अनुसंधान करेंगे। ये केन्द्र सरकार की पहली परियोजना है जिसमें सातों पुरानी आई. आई. टी. एक साथ काम कर रहे हैं। आई आई टी कानपुर के सिविल विभाग के प्रोफेसर विनोद तारे इस योजना के प्रमुख बनाये गए हैं। 24 जुलाई से आई आई टी दिल्ली में दो दिवसीय वर्कशाप आयोजित किया गया। इस परियोजना की तथा इसके विकास की जानकारी हेतु एक वेबसाइट www.gangapedia.in का उद्घाटन 24 जुलाई को दिल्ली में किया गया।

**आई आई टी खड़गपुर भारत का सर्वोच्च तकनीकी संस्थान:**

हाल ही में आई डी सी तथा डाटा क्वेस्ट द्वारा किए गए सर्वे में आई आई टी खड़गपुर को सर्वोच्च तकनीकी संस्थान की उपाधि से नवाजा गया। आई आई टी खड़गपुर ने लगातार तीसरी बार इस सर्वे में पहला स्थान पाया। खड़गपुर के बाद क्रमशः दिल्ली, मद्रास, कानपुर, रुड़की व गुवाहाटी को रखा गया है।

**भारत ने बनाया अब तक का सबसे सस्ता लैपटॉप:**

भारत ने ऐसी लैपटॉप बनाने में कामयाबी पाई है जिसकी कीमत 1500 रूपए है। इस लैपटॉप का निर्माण खासतौर से विद्यार्थियों को ध्यान में रख कर किया गया है। इसका अनावरण मानव संसाधन विकास मंत्री श्री कपिल सिब्बल ने किया। इसे 2011 तक विद्यार्थियों को उपलब्ध कर दिये जाने की संभावना है। इसे आई आई टी कानपुर, खड़गपुर, मद्रास और आई आई एस सी बैंगलुरु के विशेषज्ञों ने मिलकर डिज़ाइन किया है। आने वाले सालों में इस लैपटॉप के दाम और घटने की उम्मीद है। इसके साथ ही शिक्षा संस्थानों को 50 प्रतिशत सब्सिडी दी जाएगी। यह लैपटॉप वीडियो वेब कान्फेरेंसिंग को सपोर्ट करता है। साथ ही इसमें सर्वेबल पीडीएफ रीडर, मीडिया प्लेयर, अनज़िप टूल, मल्टीमीडिया कन्टेन्ट प्लेयर आदि कई आधुनिक सुविधाएं हैं।

**सूचना प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने के लिए चलेगी रेल:**

केंद्रीय रेलवे मंत्री ममता बैनर्जी ने घोषणा की कि सूचना प्रौद्योगिकी को छोटे शहरों में बढ़ावा देने के लिए स्पेशल एक्सप्रेस ट्रेन चलाई जाएगी। ट्रेन का नाम टेक्नोलोजी एक्सप्रेस रखा गया है। इस रेल की शुरुआत खड़गपुर से होगी और इस कार्य को सही दिशा देने के लिए सभी आई आई टी की मदद भी ली जाएगी।

**पूछ-4 का शेष :**

जहाँ तक प्लेस्मेंट की बात की जाए तो आई आई टी का औसत वेतनमान लगभग 50% तक गिरा है। इसका एक पहलू तो मंदी है और दूसरा पहलू बढ़ती सीटें भी है। अच्छी वेतन देनी वाली कंपनियों की जरूरतों की संख्या में कोई वृद्धि नहीं हो रही है जबकि छात्रों की संख्या में वृद्धि के कारण कैम्पस में कम वेतन देने वाली कंपनियों को भी बुलाया जा रहा है।

सीटें बढ़ने से अवश्य रूप आई आई टी से निकलने वाले इंजीनियरों

की संख्या तो बढ़ेगी परंतु अगर शिक्षकों की उपलब्धता तथा अन्य सुविधाओं पर जल्द ध्यान न दिया गया तो आई आई टी का शिक्षण स्तर गिरेगा और आई आई टी की क्षमता पर बुरा असर पड़ेगा।

केवल सीटों में वृद्धि ही कुशल श्रमबल (Skilled Work-Force) की समस्या को हल नहीं कर सकती। देश में श्रमबल (Skilled Work-Force) की समस्या का सबसे बड़ा कारण अपने यहाँ शिक्षा की गुणवत्ता में कमी है और सबसे निराशा की बात यह है कि इस तरफ नीति निर्माताओं द्वारा ध्यान ही नहीं दिया जा रहा है।

Additya Infotech

outside puri gate

iit kharagpur

Bring this coupon along with your I-Card and get discount upto 1000/-

contact: Mob: 9332569829/9734425456 (Aditya)
Ph: 03222-326859 (off.)

Laptop repairing is done here by authorised service engineer



GOYAL INFOTECH

PROVIDING EFFICIENT SALES, SERVICE SINCE 11 YEARS IN IIT KGP.

Cell No. 9932481451, 9333359460. PURI GATE, IIT MAIN ROAD, KGP.

New Hot Product
Music Bluetooth Stereo Ear Phone
for Mobile, PC & Laptop.



Price Rs. 1200/-

AUTHORISED DEALER:








STEP IN FOR LOWEST PRICE

Never Buy Laptop From Home Town, Otherwise You Will Be Big Loser In Not Getting Free & Efficient Service at Your Door Step We Provide To All Indians Uptil there Complete Career.

Listen to High Quality Stereo Music From any Bluetooth Device Like Iphone, Mobile & Laptop & PC. Online Chat through Wireless Bluetooth Transmitter. Clear Sound, Instant Connecting, Anti Interference.

110 Hr Stand By, 5 Hrs Talk Time, One Year Warranty.

Extend Warranty of Laptops of Dell, Sony Vaio, Acer, Lenovo.



GUARANTEED LAPTOP REPAIRING